

Hindi Grammar Revision Sheet  
Class - VII . Year 2013-14 SA-2

प्र०-१ निम्नलिखित शब्दों के ठो-ठो अर्थ लिखिए।

- (क) कला :
- (ख) अलि :
- (ग) पक्ष :
- (घ) वर्ण :
- (ङ) द्विजः

प्र०-२ अनुवित अनेकार्थिक शब्दों पर गोला बनाइए।

- (क) दल = समूह सैना पत्ता घुरी
- (ख) मूल = हेतु कारण कंद जड़
- (ग) श्री = संपत्ति श्रीमान् श्रीमा कांति
- (घ) पक्ष = पंख पक्षी सहायक भाग
- (ङ) उपचार = रीगी इलाज सैवा उपाय

प्र०-३ निम्नलिखित शब्दों का उचित अर्थ से निलान कीजिए।

| क्र. शब्द   | अर्थ    |
|-------------|---------|
| (क) मुद्रा  | निशाकार |
| (ख) पक्ष    | आकाश    |
| (ग) श्री    | सौभाग्य |
| (घ) जाल     | चंद्रमा |
| (ङ) द्विज   | मुहर    |
| (न) शून्य   | छायाज   |
| (छ) पट      | फैरेब   |
| (ज) लक्ष्मी | कांति   |
| (झ) अनंत    | पंख     |
| (झ) फल      | सिंहासन |

प्र०-५ क्रिया की परिभ्राष्टा वाक्यों द्वारा दो उदाहरण सहित लिखिए।

प्र०-६ निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित क्रियाएं अद्दिए।

(अ) हमारी परीक्षाएँ \_\_\_\_\_ हैं।  
चलेगी चल रही दौड़ रही चल

(ब) हरी बीटे, जैन मिलभ \_\_\_\_\_ ली।  
देखी देखवुँगा देख देखा

(ग) कृष्ण ने कंस को \_\_\_\_\_ चुमाया।  
मारा अपनाया चौंका चुमाया

(घ) बच्चा बिस्तर से \_\_\_\_\_ गया।  
उछल फिसल गिर सौ

(ङ) किसान हल \_\_\_\_\_ है।  
दौड़ाता चलाता चुमाता फिराता

प्र०-६ तीन वाक्यों द्वारा उदाहरण सहित काल की परिभ्राष्टा लिखिए।

प्र०-७ काल के कितने भैं हीं हैं। उनके नाम लिखिए और सूपैक के छो-दो उदाहरण दीजिए।

प्र०-८ दो वाक्यों द्वारा उदाहरण सहित समुच्चय औषधक की परिभ्राष्टा लिखिए।

प्र०-१ निम्नलिखित विकल स्थानों में उचित समुच्चय  
 वौधक का भरिएः  
 (क) दिल्ली — कौलकता में मेरी भौसियाँ रहती हैं;  
 या और लैकिन कि

(ख) उसे स्वीर — आइस क्रीम चानी है।  
 तथा या लैकिन ताकि

(ग) इस समय बाहर पत निकलो, — मैसम  
 खराब है।  
 लैकिन या अच्छा क्योंकि

(घ) लता तुम सोना चाहती हो — खेलना  
 चाहती है।  
 तथा इसलिए क्योंकि अच्छा

(ड) आज मैं घोड़ी दैर से उठा, — स्कूल  
 समय पर नहीं पहुँच सका।  
 लैकिन क्योंकि इसलिए कि

(च) आज मैं भैं दैखने जाऊँगा, — मैंने  
 जल्दी काम ख़ुले कर लिया।  
 परंतु अच्छा भगव इसलिए

प्र०-१० अनुदृष्ट लेखनः "समय किसी के लिए  
 नहीं रहकता"

प्र०-११ पत्र लेखनः "चित्रकला प्रतियोगिता  
 में प्रथम आने पर मित्र को बधाई  
 पत्र"

प्र०-१२ नीचे लिखे गये वाक्यों के उत्तर लिखिए।

सी. वी. रमण भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे। वे बचपन से ही शारीर से दुबले-पतले थे किन्तु दिमाग के धनी। अस्वस्थता के कारण वे विदेशान्त जा सके। इन्होंने कौलकाता के साइंस कॉलेज में प्रिंसिपल के पद पर कार्य किया। इन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए। प्रकाश-किण्णों पर इनका शोध-कार्य 'रमण प्रभाव' के नाम से विद्यात हुआ जिस पर इनको नोबेल पुरस्कार मिला। भारत में यह पुरस्कार विश्व-कवि टैगोर के बाद इनको ही प्राप्त हुआ था।

- (क) द्वितीय गण वाक्यों में किस प्रसिद्ध वैज्ञानिक के बारे में लिखा है?
- (ख) सी. वी. रमण की कौन सी विशेषता लिखी है?
- (ग) किस कारण वे विदेश नहीं जा सके?
- (घ) उन्होंने किस पद पर और कहाँ पर कार्य किया?
- (ङ) सी. वी. रमण ने किस क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए?
- (च) सी. वी. रमण को कौन सा पुरस्कार मिला और क्यों?
- (छ) भारत के किस विश्व-कवि के भी कौन सा पुरस्कार मिला था?
- (ज) विलोम शब्द: धनी, अस्वस्थता, विदेश।
- (झ) पर्यायवाची शब्द: विश्व, कार्य, शारीर।
- (ञ) टैगोर जी का पूरा नाम लिखो।

प्र०-१३ नीचे लिखे पद्यों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

जब भी दिन आते हैं परीक्षा के करीब,  
फूट जाते हैं सब छात्रों के नसीब ।  
न चाना अच्छा लगता है न आराम,  
परीक्षा के अभ्य से बचा लो है शाम ।

- (क) परीक्षा के दिन करीब आने पर छात्रों की क्या स्थिति हो जाती है?
- (ख) परीक्षा के दिनों बीचे छात्रों को क्या-क्या अच्छा नहीं लगता?
- (ग) छात्र परीक्षाओं के दिनों बीचे किससे क्या प्राप्ति करते हैं?
- (घ) विलोम शब्द : दिन, करीब, अभ्य
- (ङ) वाक्य बनाइए : परीक्षा, आराम
- (च) पद्यों का व्याख्यक दीजिए।

Hindi Revision Sheet for class VII  
वसंत भाग - २ Year 2013 - 14 SA-2

पाठ : रक्त और हमारा शरीर

- प्र०-१ रक्त के बहाव को कैकिनी के लिए क्या करना चाहिए?
- प्र०-३ दूधिया से बचने के लिए हमें क्या - क्या खाना चाहिए?
- उ०-४ पेट में कीड़ि क्यों हो जाते हैं? इनसे कैसे बचा जा सकता है?
- उ०-५ रक्त के सफेद कणों की 'वीर सिंहासी' क्यों कहा गया है?
- उ०-६ उल्ड-बैंक में रक्तदान से क्या ज्ञान है?

कविता : रहीम के दीह

- "जाल पर जल जात वहि, तजि भीनन की भौंह।  
बहिगन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़िति छौंह ॥"
- "तखवर फल नहिं खात है, सखवर पियत न पान।  
कहि रहीम परकाज हित, संपति-सचहिं सुजान ॥

उ०-१ ऊपर लिखे दीनी दीही की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

पाठ : विडिया की बच्ची

- उ०-१ किन बातों से ज्ञात होता है कि शाव्यवधास का जीवन संपन्नता से भरा था और किन बातों से ज्ञात होता है कि वह सुखी नहीं था?

प्र०-२ माधवदास क्यों बार-बार चिड़िया से कहता है कि यह घगीचा तुम्हारा ही है? क्या माधवदास निःस्वार्थ भन से ऐसा कह रहा था? ३५८८ कीजिए।

प्र०-६ इस कहानी का कोई और शीर्षक देना ही तो आप क्या देना चाहेंगे और क्यों?

### कविता : एक तिनका

प्र०-२ 'एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, जिससे घमंड नहीं करने का संदेश मिलता है?

प्र०-३ औंख भैं तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई?

प्र०-४ घमंडी की औंख से तिनका निकालने के लिए उसके आस पास लौगीं ने क्या किया?

### पाठ: खानपान की बदलती तसवीर

उ०-१ खानपान की भिन्नित संस्कृति से लैखक का क्या मतलब है? अपने पर के उफान पर कर इसकी व्याख्या करें?

उ०-२ खानपान में बदलाव के कौन क्षण पायदे है? पिर लैखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है?

उ०-३ खानपान के आगे भैं रुचानीयता का क्या अर्थ है?

### पाठ: बीलकंठ

उ०-१ मौर-मौरी के नाम किस आवार पर रखे जाएं?

उ०-२ जाली के बड़े घर में पहुँचने पर और के छोंगों  
का किस प्रकार स्वागत हुआ?

उ०-३ लैखिकों को नीलकंठ की कौन-कौन सी  
चेटाएं बहुत आती थीं?

उ०-४ जालीघर में दृढ़नेवाले सबी जीव एक-दूसरे  
के भिन्न बन गए थे, पर कृष्णा के साथ  
ऐसा संबंध क्यों नहीं हो पाया?

### पाठ : व्यनराज

उ०-१ साहातकार पढ़कर आपके भन में व्यनराज पिलौ  
की कैसी छवि उभरती है? वर्णन कीजिए।

उ०-३ भैरवी और भुजी अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता से  
संभालने की कौशल ढी है— व्यनराज पिलौ  
की इस बात का क्या जरूर है?

### पाठ: कंचा

उ०-१ कंचे जब जार से निकलकर आपु के भन की कल्पना  
में सभा जाते हैं, तब क्या दीता है?

उ०-२ दुकानकार और झाइवट के सामने अप्पु की क्या  
स्थिति है? वै दीनों उसको देखकर पहली परेशान  
दीत है, फिर हँसते हैं। कारण बताइए।

Note : Learn X & write